9GIUGXI

संकलित परीक्षा - I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड-क

(अपठित बोध)

1 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

आदर्श विद्यार्थी को कुछ भी कठिन या असंभव नहीं समझना चाहिए क्योंकि परिश्रम तो उसका सहयोगी है। वह उद्यम करेगा तो निश्चय ही सफलता उसका चरण चूमेगी। पुरुषार्थी के लिए प्रत्येक असंभव कार्य भी संभव तथा कठिन कार्य भी सरल हो जाता है। आदर्श विद्यार्थी को अपने विद्यार्थी-जीवन में कभी भी सुख की कामना नहीं करनी चाहिए। तभी वह अपने लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। तभी विद्या उसके व्यक्तित्व का अंग बन सकती है। सभी विद्यार्थियों को यह मन में धारण कर लेना चाहिए कि सुख की कामना और विद्या की प्राप्ति ये दोनों दो विरोधी बातें हैं। सुख चाहने वाले को विद्या नहीं मिल सकती और विद्या चाहने वाले को तत्क्षण सुख की प्राप्ति लगभग असंभव है। निरंतर परिश्रम ही विद्या का मूलमंत्र हैं। यदि कोई सोचे कि मैं परिश्रम न करूँ तो मैं सुखी हो जाऊँगा तो यह उसकी भूल है। आलसी पड़े रहने में कोई सुख नहीं प्रत्युत इससे दु:ख, निराशा और बुरी भावनाएं आकर घेर लेती हैं। ये सभी मनुष्य को पथभ्रष्ट करने में तथा उसके भविष्य को अंधकारमय बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

(क) आदर्श विद्यार्थी के लिए कठिन कार्य को सरल बनाने में सहयोगी होता है :

(i) आलस्य (ii) परिश्रम (iii) विषाद (iv) व्यायाम

(ख) असंभव कार्य भी संभव और कठिन कार्य भी सरल हो जाता है-

(i) पुरुषार्थी के लिए। (ii) आलसी के लिए।

(iii) अहंकारी के लिए। (iv) अकर्मण्य के लिए।

(ग) आदर्श विद्यार्थी से अपने विद्यार्थी जीवन में अपेक्षित नहीं है सुख की –

(i) कामना। (ii) उपेक्षा।

(iii) योजना। (iv) परिभाषा।

(घ) सभी विद्यार्थियों को मन में यह धारण कर लेना चाहिए कि–

(i) सुख की कामना और विद्या प्राप्ति दा विरोधी बाते हैं।

(ii) सुख की कामना और विद्या प्राप्ति दोनों पर्यायवाची हैं।

(iii) विद्या की कामना और सुख की प्राप्ति दोनों पर्यायवाची हैं।

(iv) सतत सुख की चाह से विद्या-प्राप्ति हो जाती है।

(ङ) विद्या का मूलमंत्र है –

(i) निरंतर परिश्रम। (ii) आकस्मिक परिश्रम।

(iii) निरंतर सुख। (iv) निरंतर आराम।

2 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए–** 5

कुल्लू प्राचीन हिन्दू-सभ्यता का गहवारा है। यहाँ प्रत्येक कस्बे और ग्राम के अपने-अपने देवता हैं, जो अपने-अपने मंदिरों में बैठे हुए लोगों की पूजा पाते हैं और साल में एक बार अपने-अपने रथों में बैठकर कुल्लू के रघुनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित राम की उपासना के लिए जाते हैं। सैकड़ों देवी-देवताओं और उनके मंदिरों के कारण और इस विराट देव-सम्मेलन के कारण ही, कुल्लू प्रदेश का नाम देवताओं का अंचल पड़ा है। ये सब असंख्य देवी-देवता और ऋषि-मुनि यहाँ के आदिम निवासियों के द्वारा पूजे जाते हैं। यहाँ पर दशहरे के दिन विजयी राम का उत्सव होता है, जिसमें आसपास के सब देवी-देवता रथों में बिठाकर लाए जाते हैं। इस विराट उत्सव में, ऐसा सुनने में आता है, हज़ार-हज़ार तक देवी-देवता शामिल होते हैं।

(1) गद्यांश के अनुसार हिन्दू-सभ्यता का गहवारा है :

(क) एक प्राचीन मंदिर (ख) कुल्लू

(ग) कुल्लू के पर्वत (घ) हिमाचल की भूमि

(2) साल में एक बार कुल्लू के रघुनाथ मंदिर में अपने-अपने रथों में बैठकर जाते हैं, :

(क) अनेक मनुष्य (ख) सैकड़ों देवी-देवता

(ग) भगवान राम (घ) सामान्य लोग

(3) कुल्लू प्रदेश के देवताओं का अंचल कहलाने का कारण है :

(क) अनेक मंदिर (ख) देव-सम्मेलन का आयोजन

(ग) राम मंदिर (घ) रघुनाथ मंदिर

(4) असंख्य देवी-देवता और ऋषि-मुनियों की पूजा करने वाले होते हैं :

(क) देशवासी (ख) आदिम निवासी

(ग) असंख्य दर्शक (घ) साधू-संत

(5) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक हो सकता है :

(क) रघुनाथ मंदिर (ख) देवताओं का अंचल

(ग) पावन धाम – कुल्लू प्रदेश (घ) राम की उपासना

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।**

मन–
है भावनाओं का कोश
प्राप्ति से नहीं होता उसे संतोष।
वह है कल्पनाओं का उत्पादक–
मौसम, चाहे जितना बेमानी हो,
होता नहीं, कतई बाधक।
अपने बाजुओं में समग्र ब्रहमाण्ड को रहता ह बाँधे,
हर उड़ान को, अपने पंखों–साधे।
टूटता नहीं, वह कभी, नहीं होता विक्रान्त–विपन्न–
जैसी असंगत परिस्थितियों से, हो चाहे टक्कर–
सांक्रान्तित माहौल में भी,
नहीं आती मुखाकृति पर शिकन,
नहीं महसूसता, मनहूसियत की छुवन,
वय–शिष्टता की उभरती झुर्रियाँ,
सफर चाहे जितना लंबा हो,
नहीं रुकता, निमिष–मात्र भी थककर।

(1) मन को किससे संतोष नहीं होता ?

(क) लोगों से (ख) प्राप्ति से (ग) प्रेम से (घ) पैसों से

(2) कौन बाधक नहीं होता ?

(क) तापमान (ख) आद्रता

(ग) मौसम (घ) दुश्मन

(3) अपने बाजुओं में क्या बाँधे रहता है ?

(क) संसार को (ख) शहर को

(ग) लोगों को (घ) ब्रह्माण्ड को

(4) सफर लंबा होने से वह क्या करता है ?

(क) नहीं रुकता (ख) रुक जाता है (ग)

बैठ जाता है (घ) विश्राम करता है

(5) वह कभी क्या नहीं होता है ?

(क) डरता नहीं है (ख) टूटता नहीं है (ग) लड़ता नहीं है। (घ) पकड़ता नहीं

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए।** 5

हँस लो दो क्षण खुशी मिली,
वरना जीवन भर क्रंदन है।
किसका जीवन हँसी-खुशी में
इस दुनिया में रहकर बीता ?
सदा-सर्वदा संघर्षों को
इस दुनिया में किसने जीता ?
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता रोता चमन-चमन है।
कितने रोज चमकते तारे
कितने रह-रह गिर जाते हैं,
हँसता शशि भी छिप जाता है
जब सावन घन घिर आते हैं।
उगता-ढलता रहता सूरज
जिसका साक्षी नील गगन है।

(i) सांसारिक खुशी का स्वरूप होता है :
(क) क्षणिक ।
(ख) निरंतर और अविरल
(ग) रुक-रुक कर
(घ) बाधाहीन

(ii) 'क्रंदन' का अर्थ हैं :
(क) रोना (ख) चीखना
(ग) चिल्लाना (घ) हँसना

(iii) प्रकृति का यह नियम है कि खिलता फूल समय पाकर हो जाता है :
(क) शुष्क (ख) म्लान
(ग) गंदा (घ) बिना पंखुड़ियों का

(iv) जब सावन के घन घिर आते हैं तो :
(क) शशि छिप जाता है। (ख) सूरज चमक उठता है।
(ग) बादल ढक जाता है। (घ) मेघ बरस उठते हैं।

(v) 'सूरज के उगने-ढलने' में निहित भाव है कि :

(क) सांसारिक जीवन संघर्षों से युक्त है।
(ख) मानव जीवन वेदना ग्रस्त है।
(ग) जीवन में दुख और सुख दोनों ही आते हैं।
(घ) मानव को रोना नहीं चाहिए।

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।**

(क) 'प्रत्येक' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'प्र' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।
(ग) 'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।
(घ) 'लालची' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए।
(ङ) **निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।**
(I) भरपेट (II) घुड़सवार (III) नीलगगन

6 (i) **अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान कर उनके भेद लिखिए :**

(क) राम ने भोजन नहीं किया।

(ख) वाह! सुंदर स्थान है।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए :**

(क) राधिका को मधुर गाने पर पुरस्कार मिला (संकेतवाचक)

(ख) मंजुला गृहकार्य कर रही है। (निषेधात्मक)

7 **निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर उनके नाम लिखिए —**

(क) उषा-सुनहले तीर बरसाती, जय-लक्ष्मी सी उदित हुई।
(ख) कहे कवि बेनी, बेनी ब्याल की चुराई लीनी।
(ग) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।
(घ) संध्या सुंदरी परी-सी धीरे-धीरे।

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

8 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2+2+1)** 5

यदि पेस्ट अच्छा है तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट, पहुँच और सफाई की क्षमता में अलग-अलग एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथ वाश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है पर इतनी चीजों का ही बिल काफ़ी बड़ा हो जाएगा, क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और कीमती ब्रांड खरीदना ही पसंद करें। सौंदर्य प्रसाधनों की भीड़ तो चमत्कृत कर देनेवाली है -हर माह उसमें नए-नए उत्पाद जुड़ते जाते हैं। साबुन ही देखिए। एक में हल्की खुशबू है, दूसरे में तेज।

(i) अच्छे पेस्ट के साथ और किन-किन चीजों की आवश्यकता पड़ती है और क्यों ?

(ii) गद्यांश के अनुसार बहु विज्ञापित और कीमती ब्रांड की सामग्री खरीदने का क्या परिणाम हो सकता है ?

(iii) 'सौन्दर्य-प्रसाधनों' का अर्थ लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9(i) 'दो बैलों की कथा' पाठ में प्रेमचन्द ने किन नैतिक मूल्यों का उल्लेख किया है ? 2

(ii) 'ल्हासा की ओर' में तिब्बती समाज को किस प्रकार का दिखाया गया है? स्पष्ट कीजिए। 2

(iii) आजकल कौन-सी नई जीवन-शैली आ गई है ? इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है ? 2

(iv) वृंदावन में कृष्ण के प्रसंग का उल्लेख लेखक ने क्या स्पष्ट करने के लिए किया है? 2

(v) 'उपभोक्तावाद की संस्कृति' पाठ से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। 2

10 **प्रस्तुत पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। (2+2+1)** 5

काननि दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गहै तो गहै।।
टेरि कहौं सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनों समुझैहै।
माई री वा मुख की मुस्कानि सम्हारो न जैहै, न जैहै, जैहै।।

(क) गोपी कानों में अँगुली डालकर क्या करना चाहती है और क्यों ?

(ख) कृष्ण अपनी किन-किन विशेषताओं से ब्रज-जनों को प्रभावित करते हैं ?

(ग) 'गोधन' का आशय स्पष्ट कीजिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

11(i) "कैदी और कोकिला" कविता के आधार पर बताइए कि कवि को कोयल के गीत चमकीले क्यों लगते थे? उनसे कवि को किस स्थिति का आभास होता था? 2

(ii) ज्ञान की आँधी आने पर मोह और हित, चित्त की क्या दशा होती है? कबीर ने मोह और हित, चित्त को दान में लगने वाली किन वस्तुओं के रूप में व्यक्त किया है? 2

(iii) "गोधन ग्वारनि संग फिरौंगी" का आशय समझाइए तथा इसमें प्रयुक्त अलंकार का उल्लेख कीजिए। 2

(iv) कवयित्री ललद्यद के अनुसार 'माझी' कौन है तथा 'उतराई' देने का क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए। 2

(v) पृथ्वी का तल श्यामल क्यों है तथा उसके ऊपर क्या झुका हुआ है? 'ग्राम श्री' के आधार पर लिखिए। 2

12 बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में व्यक्ति को किस प्रकार उनसे लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए? "इस जल प्रलय में" पाठ के आधार पर अपना मन्तव्य प्रकट कीजिए तथा बताइए इस पाठ को पढ़कर आपने क्या प्रेरणा ग्रहण की है? 5

खण्ड-घ

(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

13(i) **फुटबाल मैच** 1

(i) प्रस्तावना

(ii) आयोजन, तैयारी आदि

(iii) कब और कहाँ ?

(iv) वर्णन

(v) उपसंहार

(ii) **सत्संगति** 0

(i) प्रस्तावना

(ii) लाभ

(iii) कुसंगति से हानियाँ

(iv) विद्यार्थी जीवन और सत्संगति

(v) उपसंहार

(iii) **इलैक्ट्रोनिक मीडिया** 10

(i) प्रस्तावना

(ii) उपयोगिता

(iii) नियंत्रण की आवश्यकता

(iv) सावधानियाँ

(v) उपसंहार

14 अपने जन्म-दिन पर आयोजित कार्यक्रम में किसी संगीतकार को बुलवाने का आग्रह करते हुए अपने बड़े भाई को पत्र लिखिए। 5

15 आपके गाँव की ग्राम-पंचायत ने आपके विद्यालय की दसवीं तथा बारहवीं कक्षाओं के उत्तम परीक्षा -परिणाम होने के कारण संस्था के प्राचार्य, सभी शिक्षकों एवं कर्मचारी वर्ग का परसों शाम सम्मान किया है। इस कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए।